This question paper contains 3 printed pages.]

Your Roll No. ....

7345

A

M.A./II

SANSKRIT—Course 13 (Group C)

(Sāhityaśāstra)

Time : 2 Hours *Maximum Marks : 50*

(*Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.*)

Note : Unless otherwise required in a question, answers should be written in Sanskrit *or* in Hindi *or* in English.

टिप्पणी : अन्यथा आवश्यक न होने पर, इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत **या** हिन्दी **या** अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए।

टिप्पणी : प्रश्न-पत्र पर अंकित पूर्णांक एम. ए. संस्कृत परीक्षा के वर्ग 'ब' (स्कूल ऑफ ओपन लर्निंग एवं नॉन-फार्मल सैल आदि) के परीक्षार्थियों के लिए मान्य हैं। वर्ग 'अ' (पूर्व विद्यार्थियों) के लिए इन अंकों का समानुपातिक पुनर्निर्धारण परीक्षाफल तैयार करते समय किया जाएगा।

*Attempt **all** the questions.*

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिये।

Explain any ***two*** of the following : 5 + 5 = 10

(क) योऽर्थः सहृदयश्लाघ्यः काव्यात्मेति व्यवस्थितः।

वाच्यप्रतीयमानाख्यौ तस्य भेदावुभौ स्मृतौ।।

[P.T.O.

(ख) शब्दार्थशासनज्ञानमात्रेणैव न विद्यते।

वेधते स तु काव्यार्थ तत्त्वज्ञैरेव केवलम्।।

(ग) रसभावतदाभासतत्प्रशान्त्यादिर क्रमः।

ध्वनेरात्माधङ्गिभावेन भास मानो व्यवस्थितः।।

(घ) वाच्य वाचक चारूत्व हेतूनां विविधात्मनाम्।

रसादिपरता यत्र स ध्वनेर्विषयो मतः।।

2. आनन्दवर्धन के अनुसार 'तस्याभावं जगदुरपरे' का विवेचन कीजिए।

Discuss 'Tasyābhāvam Jagadurapare' according to Anandavardhan. 10

अथवा (Or)

अलंकारों के प्रयोग के विषय में आनन्दवर्धन द्वारा प्रतिपादित मार्गदर्शक सिद्धान्तों का वर्णन कीजिये।

Discuss the guiding principles enumerated by Anandavardhan regarding the use of Alaṁkāras.

3. अधोलिखित में से किन्हीं **दो** की व्याख्या कीजिये।

Explain any ***two*** of the following : 5 + 5 = 10

(क) जग्राह पाट्युम्वेदात् सामभ्यो गीतमेव च।

यजुर्वेदादभिनयान् रसानाथर्वणादपि।।

(ख) दुःखार्त्तानां श्रमार्तानां शोकार्त्तानां तपस्विनाम्।

विश्रान्तिजननं काले नाट्यमेतद् भविष्यति।।

(ग) योध्यं स्वभावो लोकस्य सुखदुःखसमन्वितः।

सोहङ्गाद्यभिनयोपेतो नाट्यमित्यभिधीयते।।

(घ) रङ्गपीठस्य पार्श्वे तु कर्त्तव्या मत्तवारणी।

चतुःस्तम्भसमायुक्ता रङ्गपीठप्रमाणतः।।

4. भरत के अनुसार नाट्य के प्रयोजनों और नाट्योत्पति विषयों पर संक्षेप में प्रकाश डालिए।

Discuss in brief about the purpose and origin of drama according to Bharata. 10

अथवा (Or)

नाट्यशास्त्र में प्रतिपादित रङ्गमंच के विभिन्न भागों पर प्रकाश डालिए।

Discuss regarding different parts of 'Rangamancha' as depicted in the Nātyashastra.

5. अधोलिखित में से किसी **एक** पर संस्कृत में व्याख्यात्मक टिप्पणी लिखिए।

Write an explanatory note on ***one*** of the following in Sanskrit. 10

(क) प्रतीयमान अर्थः,

(ख) रस ध्वनि,

(ग) कैशिकीवृत्ति।